



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (1)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 377]

नई दिल्ली, सोमवार, नवम्बर 1, 1993/कार्तिक 10, 1915

No. 377]

NEW DELHI, MONDAY, NOVEMBER 1, 1993/KARTIRA 10, 1915

वित्त मंत्रालय  
(राजस्व विभाग)  
अधिसूचना

नई दिल्ली, 1 नवम्बर, 1993

सं. 8/93-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

रा. का. वि. 681(2).--केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और  
नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 37 द्वारा प्रवृत्त  
शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 1944 का  
अंश संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:--

2. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (पहला  
संशोधन) नियम, 1993 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

3. नियम 57क में उपनियम 4 के पञ्चत्विंशति निम्नलिखित उप-  
नियम 5 अस्थापित किए जाएंगे, अर्थात्:--

“(5) जहाँ विनिर्माण उपनियम (1) के अर्थन घोषणा करने की  
स्थिति में नहीं था और वह उत्पाद घोषणा करता है वहाँ सहायक  
कलक्टर, विनिर्माण का निम्नलिखित किए गए कारणों से, ऐसी घोषणाओं  
के फाइल करने में हुए लिख को साफ कर सकेगा और विनिर्माता को  
निवेदों में पहले से सतत शुल्क का मुजरा देने के लिए अनुज्ञान कर

सकेगा, भले ही इस नियम के अर्थन अधिकृत प्रक्रिया संबंधी अपेक्षाओं  
का अनुपालन न हुआ हो।

परन्तु ऐसी अनुज्ञा सहायक कलक्टर द्वारा केवल तभी मंजूर की जा  
सकेगी जब उसका यह समाधान हो जाता है कि--

(क) निवेश, जिनका बाबत शुल्क का मुजरा अनुज्ञा किया जाता  
है, कारखाने में, ऐसी घोषणा फाइल करने की तारीख से  
छह मास का अवधि के पूर्व और नियम 57क के अर्थन जारी  
की गई अधिसूचना की तारीख से पूर्व, प्राप्त नहीं हुए थे;

(ख) शुल्क की रकम जिसके लिए मुजरा की ईप्सा की गई है,  
ऐसे निवेदों पर वस्तुतः संदत्त कर दी गई है, और

(ग) निवेदों का अंतिम उत्पादों के विनिर्माण में वस्तुतः प्रयोग किया  
गया है या प्रयोग किया जाना है।”

4. नियम 57ब के उपनियम (1) में, “या उप-उत्पाद में अंतर्निहित  
है,” शब्दों के पश्चात्, निम्नलिखित शब्द अंतर्स्थापित किए जाएंगे, अर्थात्:--

“या ऐसे निवेश अंतिम उत्पाद के विनिर्माण में या विनिर्माण के संबंध  
में अग्रगण्य हो गए हैं”

5. नियम 57क में,—

(i) उप नियम (1), (1क) और (2) के स्थान पर क्रमशः निम्नलिखित उपनियम रखे जाएंगे, अर्थात् :—

“(1) निवेशों का, जिनके संबंध में नियम 57क के अधीन शुल्क का कोई मुजरा अनुज्ञात किया गया है—

(i) ऐसे अंतिम उत्पादों के विनिर्माण में या विनिर्माण के संबंध में प्रयोग किया जा सकता है जिनके लिए ऐसे निवेश कारखाने में लाए गए हैं, या

(ii) उनकी, कारखाने पर अधिकारिता रखने वाले केन्द्रीय उत्पाद शुल्क सहायक कलक्टर की सूचना देने और उसकी तारीख सहित अभिस्वीकृति प्राप्त करने के पश्चात्, देशी उपयोग के लिए या बंधपत्र के अधीन निर्यात के लिए कारखाने से उसी प्रकार हटाया जा सकता है मानो ऐसे निवेश उक्त कारखाने में विनिर्मित किए गए हों :

परन्तु जहाँ निवेशों को उत्पाद शुल्क के संदाय पर देशी उपयोग के लिए कारखाने से हटाया जाता है वहाँ ऐसा उत्पाद शुल्क किसी भी दशा में मुजरा की उस रकम से कम नहीं होगा जो नियम 57क के अधीन ऐसे निवेशों की बाबत अनुज्ञात की गई है।

(2) उपनियम (1) के खंड (ii) में किसी बात के होते हुए भी, वे निवेश जिनकी बाबत नियम 57क के परन्तुक के निबंधनों के अनुसार शुल्क का मुजरा निर्दिष्ट किया गया है कारखाने पर अधिकारिता रखने वाले केन्द्रीय उत्पाद शुल्क सहायक कलक्टर की सूचना देने और उसकी तारीख सहित अभिस्वीकृति प्राप्त करने के पश्चात्, देशी उपयोग के लिए कारखाने से ऐसे उत्पाद शुल्क का संदाय करने पर जो ऐसे निवेशों पर लिए गए मुजरा के समतुल्य है, हटाए जा सकेंगे।

(3) उपनियम (1) में किसी बात के होते हुए भी, कोई भी विनिर्माण, कारखाने पर अधिकारिता रखने वाले केन्द्रीय उत्पाद शुल्क सहायक कलक्टर की सूचना देने और उसकी तारीख सहित अभिस्वीकृति प्राप्त करने के पश्चात्, निवेशों की उस रूप में या निवेशों के अंतिम उत्पादों के विनिर्माण के अनुक्रम में भाग ले प्रसंस्कृत किए जाने के पश्चात्, कारखाने के बाहर किसी स्थान में,

(क) अंतिम उत्पादों के विनिर्माण के लिए आवश्यक जांच, मरम्मत, परिवर्तन, पुनरनुकूलन के या किसी अन्य संक्रिया के क्रियान्वयन के प्रयोजन के लिए हटा सकेगा और उसे अंतिम उत्पाद के विनिर्माण में आगे उपयोग के लिए अपने कारखाने की लोटा सकेगा या निर्यात के लिए बंधपत्र के अधीन शुल्क का संदाय किए बिना उसे हटा सकेगा, परन्तु यह तब जबकि ऐसे संक्रिया के अनुक्रम में उद्भूत अशिश्ट, यदि कोई हो, भी उक्त कारखाने की लोटा दिया जाए;

(ख) अंतिम उत्पादों के विनिर्माण के लिए आवश्यक अंतरवर्ती उत्पादों के विनिर्माण के प्रयोजन के लिए निवेशों की हटा सकेगा और उक्त अंतरवर्ती उत्पादों के, अंतिम उत्पाद के विनिर्माण में आगे प्रयोग के लिए अति कारखाने की लोटा सकेगा या निर्यात के लिए बंधपत्र के अधीन शुल्क का संदाय किए बिना उसे हटा सकेगा, परन्तु यह तब जबकि ऐसे अंतरवर्ती उत्पादों के विनिर्माण में उद्भूत अशिश्ट, यदि कोई हो, भी के अनुक्रम उक्त कारखाने की लोटा दिया जाए :—

परन्तु उक्त अशिश्ट को उक्त कारखाने में लौटाना आवश्यक नहीं होगा यदि उस पर उद्ग्रहण्य सम्बन्धित उत्पाद शुल्क का संदाय कर दिया गया है;

(ii) उपनियम (3), (4), (5) और (6) के क्रमशः उपनियम (4), (5), (6) और (7) के रूप में पुनः संख्यांकित किया जाएगा।

(iii) उपनियम (7) के पश्चात् निम्नलिखित उपनियम अंतःस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :—

“(8) 28 फरवरी, 1993 को या उसके पूर्व ऐसे निवेशों पर जिसके विनिर्माण के लिए ऐसे निवेश कारखाने में लाने की अनुज्ञा दी गई थी, संदत्त विशेष उत्पाद शुल्क के मुजरा का उपयोग 28 फरवरी, 1993 के पश्चात् किन्तु 31 मार्च, 1994 के पूर्व निकासी किए गए अंतिम उत्पादों पर शुल्क के संदायों के लिए, किया जा सकेगा।”

6. नियम 57क के स्थान पर, निम्नलिखित नियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

“नियम 57क संक्रमणकालीन उपाय—

(i) नियम 57क में किसी बात के होते हुए भी, प्रत्येक विनिर्माता जो, उक्त नियम के अधीन की गयी घोषणा की तारीख सहित अभिस्वीकृति प्राप्त करने के ठीक पूर्व विनिर्माता द्वारा प्राप्त निवेशों पर संदत्त शुल्क के मुजरा का लाभ उठाना चाहता है, उसके कारखाने पर अधिकारिता रखने वाले केन्द्रीय उत्पाद शुल्क सहायक कलक्टर के पास इस उपनियम के अधीन एक घोषणा यह कथित करते हुए फाइल करेगा कि—

(क) ऐसे निवेश नियम 57क के अधीन की गई घोषणा के फाइल करने के पश्चात् स्टॉक में पड़े हैं या कारखाने में प्राप्त किए गए हैं, या

(ख) ऐसे निवेशों का प्रयोग ऐसे अंतिम उत्पादों के विनिर्माण में किया गया है जिनकी कारखाने से निकासी नियम 57क के अधीन की गई घोषणा के फाइल किए जाने के पश्चात् की गई है,

और विनिर्माता द्वारा किसी अन्य नियम या अधिसूचना के अधीन ऐसे निवेशों की बाबत कोई मुजरा नहीं लिया गया है :

परन्तु यह तब जब ऐसे निवेशों का ऐसे अंतिम उत्पाद के विनिर्माण में प्रयोग न किया जाए जो उस पर उद्ग्रहण्य सम्पूर्ण उत्पाद शुल्क से छूट प्राप्त हैं या जिस पर शुल्क की कोई दर प्रभावी नहीं है।

(2) नियम 57क में किसी बात के होते हुए भी, किसी अंतिम उत्पाद के विनिर्माण में प्रयुक्त निवेशों पर (ऐसे निवेशों से भिन्न जिनकी बाबत शुल्क का मुजरा 1 मार्च, 1986 से पूर्व किसी नियम या अधिसूचना के अधीन उस दशा में अनुज्ञेय था जब उसका प्रयोग अंतिम उत्पादों में किया गया था) संदत्त शुल्क का कोई मुजरा उस दशा में अनुज्ञात नहीं होगा यदि ऐसे निवेशों पर शुल्क 31 जनवरी, 1986 को या उसके पूर्व संदत्त किया गया है।

(3) प्रत्येक विनिर्माता, जो नियम 57क के अधीन घोषणा फाइल करने के तुरन्त पूर्व,—

(क) उत्पाद शुल्क योग्य तैयार माल के विनिर्माण में प्रयोग के लिए सामग्री या संघटक पुर्जों की बाबत नियम 56 क के अधीन विशेष प्रक्रिया का लाभ उठा रहा था; या

(ख) उत्पाद शुल्क योग्य तैयार माल के विनिर्माण में प्रयुक्त सामग्री या संघटक पुर्जों पर संदत्त शुल्क की बाबत मुजरा देने की छूट का लाभ उठा रहा था,

इस उपनियम के अधीन अपने कारखाने पर अधिकारिता रखने वाले उत्पाद शुल्क सहायक कलक्टर के पास यह कथित करते हुए एक घोषणा फाइल करेगा कि वह ऐसे विनिर्माता से प्राप्त और आर०जी० 23 के उसके खाते में नियम 57क के अधीन की गई घोषणा की तारीख सहित अभिस्वीकृति प्राप्त होने के ठीक पूर्व अनुप्रयुक्त पड़ी हुई उक्त सामग्री या संघटक पुर्जों पर संदत्त शुल्क के मुजरा का अन्तरण उसके खाते आर०जी० 23क में करने का आशय रखता है :

परन्तु यह तब जबकि सामग्री और संघटक पुर्जे और उत्पाद शुल्क योग्य तैयार माल नियम 57क के अधीन जारी को गई अधिसूचना में क्रमशः निवेशों और अंतिम उत्पादों के रूप में विनिर्दिष्ट किया गया है।

(4) कोई विनिर्माण, जिसने उपनियम (1) या उपनियम (3) के अधीन कोई घोषणा फाइल की है, पूर्वोक्त तारीख सहित अभिलेखित प्राप्त करने के पश्चात् अपने द्वारा प्राप्त निवेशों पर संदत्त शुल्क का गुजरा ले सकेगा :

परन्तु कोई गुजरा तब तक नहीं लिया जाएगा जब तक ऐसे निवेश, एंआर० 1 द्वारा पास, प्रवेशपत्र या किसी अन्य दस्तावेज के अधीन, जिसे कि [केन्द्रीय राजस्व बोर्ड अधिनियम, 1963 (1963 का 54) के अधीन गठित] केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और सीमाशुल्क बोर्ड द्वारा इस निमित्त ऐसे निवेशों पर शुल्क के मंदाय के साक्ष्य के लिए विहित किया जाए, कारखाने में प्राप्त न किया गए हों और ऐसा साक्ष्य निर्धारित द्वारा विभाग को उपलब्ध न करा दिया जाए।

[फा० नं० 264/1/93-सी०एक्स-8]

मीनाक्षी, अवर सचिव

स्पष्टीकरण :

यह अधिसूचना नियम 57क का इगलिए संशोधन करती है कि माडवेट ऐसे निवेशों पर अस्वीकार न किया जाए जो घोषणा में सम्मिलित नहीं है किन्तु विभाग का अन्वयथा समाधान हो गया है कि उनका कारखाने में प्रयोग किया गया है और यह नियम 57क का भी इसलिए संशोधन करती है कि उसके उपनियम (1) का लोप किया गया है क्योंकि उक्त प्रयोजन अब समाप्त हो गया है और नियम 57क तथा नियम 57ज का इसलिए संशोधन करती है कि माडवेट गुजरा प्रक्रियाओं का लाभ उठाने के लिए सहायक कलक्टर को पूर्व अनुज्ञा अपेक्षित नहीं है। नियम 57क का इगलिए संशोधन किया गया है जिससे कि माडवेट गुजरा ऐसे निवेशों पर लागू न किया जाए जो अनिम उत्पाद के विनिर्माण में या विनिर्माण के संबंध में नष्ट या अपशिष्ट हो जाते हैं। नियम 57(च) का संशोधन विशेष उत्पाद शुल्क माडवेट गुजरा अनुज्ञा करने के लिए 28 फरवरी, 1993 से उनका उत्पादन और आधारीक उत्पाद शुल्क के साथ उम्मा विलय होने के परिणामस्वरूप, किया गया है।

पाद टिप्पण --- एल नियम सा०का०नि० 463(अ) तारीख 1-3-1986 (अधिसूचना सं० 176/86-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क) द्वारा भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3, उप-खंड (i), तारीख 1-3-86 में अधिसूचित किए गए थे और तत्पश्चात् निम्नलिखित अधिसूचनाओं द्वारा उसका संशोधन किया गया ---

1. सा०का०नि० 498(अ) तारीख 14-3-86 (अधिसूचना सं० 197/86)
2. सा०का०नि० 1019(अ) तारीख 22-8-86 (अधिसूचना सं० 394/86)
3. सा०का०नि० 674 (अ) तारीख 24-4-86 (अधिसूचना सं० 230/86)
4. सा०का०नि० 403(अ) तारीख 15-4-87 (अधिसूचना सं० 117/87)
5. सा०का०नि० 200 (अ) तारीख 1-3-87 (अधिसूचना सं० 25/87)
6. सा०का०नि० 208(अ) तारीख 1-7-88 (अधिसूचना सं० 19/88)
7. सा०का०नि० 217(अ) तारीख 6-10-88 (अधिसूचना सं० 28/88)

8. सा०का०नि० 110(अ) तारीख 1-3-89 (अधिसूचना सं० 12/89)
9. सा०का०नि० 964(अ) तारीख 3-11-89 (अधिसूचना सं० 56/89)
10. सा०का०नि० 781(अ) तारीख 17-9-90 (अधिसूचना सं० 35/90)
11. सा०का०नि० 1(अ) तारीख 1-2-90 (अधिसूचना सं० 1/90)
12. सा०का०नि० 579(अ) तारीख 18-6-90 (अधिसूचना सं० 24/90)
13. सा०का०नि० 247(अ) तारीख 26-4-91 (अधिसूचना सं० 14/91)
14. सा०का०नि० 362(अ) तारीख 25-7-91 (अधिसूचना सं० 28/91)

## MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

### NOTIFICATION

New Delhi, the 1st November, 1993

### NO. 8/93-CENTRAL EXCISES (NT)

G.S.R 681(E).—In exercise of the powers conferred by section 37 of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Central Excise Rules, 1944, namely :—

2. (1) These rules may be called the Central Excise (First Amendment) Rules, 1993.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

3. In rule 57G, after the sub-rule 4, the following sub-rule 5 shall be inserted, namely :—

“(5) Where a manufacturer was not in a position to make a declaration under sub-rule (1) and makes the declaration subsequently, the Assistant Collector may, for reasons to be recorded in writing, condone the delay in filing of such declarations and allow the manufacturer to take credit of the duty already paid on the inputs even though the procedural requirements laid down under this rule have not been complied with :

Provided that such permission may be granted by the Assistant Collector only when he is satisfied that the—

(a) inputs in respect of which credit of duty is to be allowed were received in the factory not before a period of six months from the date of filing such

declaration and not before the date of notification issued under rule 57A;

- (b) amount of duty for which credit is sought have actually been paid on such inputs; and
- (c) inputs have actually been used or are to be used in the manufacture of final products."

4. In sub-rule (1) of rule 57D, after the words "manufacture of final product, "the following words shall be inserted, namely :—

"or that the inputs have become waste in or in relation to the manufacture of the final product,"

5. In rule 57F,—

- (i) sub-rules (1), (1A) and (2) shall respectively be substituted by the following sub-rules, namely :—

"(1) The inputs in respect of which a credit of duty has been allowed under rule 57A may—

- (i) be used in, or in relation to, the manufacture of final products for which such inputs have been brought into the factory; or

- (ii) shall be removed, after intimating the Assistant Collector of Central Excise having jurisdiction over factory and obtaining a dated acknowledgement of the same, from the factory for home consumption or for export under bond, as if such inputs have been manufactured in the said factory.

Provided that where the inputs are removed from the factory for home consumption on payment of duty of excise, such duty of excise shall in no case be less than the amount of credit that has been allowed in respect of such inputs under rule 57A.

(2) Notwithstanding anything contained in clause (ii) of sub-rule (1), the inputs in respect of which a credit of duty has been restricted in terms of proviso to rule 57A, may be removed after intimating the Assistant Collector of Central Excise having jurisdiction over the factory and obtaining dated acknowledgement of the same, from the factory for home consumption on payment of duty of excise equivalent to the credit availed on such inputs.

(3) Notwithstanding anything contained in sub-rule (1), a manufacturer may, after intimating the Assistant Collector of Central Excise having jurisdiction over the factory and obtaining

dated acknowledgement of the same, remove the inputs as such, or after the inputs have been partially processed during the course of manufacture of final products, to a place outside the factory—

- (a) for the purposes of test, repairs, refining, reconditioning or carrying out any other operation necessary for the manufacture of the final products and return the same to his factory for further use in the manufacture of the final product or remove the same without payment of duty under bond for export, provided that the waste, if any, arising in the course of such operation is also returned to the said factory;

- (b) for the purpose of manufacture of intermediate products necessary for the manufacture products necessary for the return the said intermediate products to his factory for further use in the manufacture of the final product or remove the same without payment of duty under bond for export, provided that the waste, if any, arising in the course of manufacture of such intermediate products is also returned to the said factory.

Provided that the said waste need not be returned to the said factory if the appropriate duty of excise leviable thereon has been paid,"

- (ii) sub-rules (3), (4), (5), and (6) shall be renumbered as sub-rules (4), (5), (6) and (7) respectively.

- (iii) after sub-rule (7), the following sub-rule shall be inserted, namely :—

"(8) The credit of Special duty of excise paid on inputs on or prior to the 28th day of February, 1993 may be utilised towards payment of duty on final products cleared subsequent to 28th day of February, 1993 but prior to the 31st day of March, 1994 for the manufacture of which such inputs were permitted to be brought into the factory."

6. Rule 57(H) shall be substituted by the following rule namely :—

"Rule 57H. Transitional provisions -

(1) Notwithstanding anything contained in rule 57G, every manufacturer who intends to avail of credit of duty paid on inputs received by a manufacturer immediately before obtaining the dated acknowledgement of the declaration made under said rule, shall file a declaration under this sub-rule with the Assistant Collector of Cen-

tral Excise having jurisdiction over his factory stating that—

- (a) such inputs are lying in stock, or are received in the factory after filing the declaration made under rule 57G, or
- (b) such inputs are used in the manufacture of final products which are cleared from the factory after filing the declaration made under rule 57G,

and that no credit has been taken by the manufacturer in respect of such inputs under any other rule or notification :

Provided that such inputs are not used in the manufacture of final product which is exempt from the whole of the duty of excise leviable thereon or is chargeable to nil rate of duty.

(2) Notwithstanding anything contained in rule 57A, no credit of duty paid on the inputs used in the manufacture of a final product (other than those inputs in respect of which credit of duty was allowable under any rule or notification prior to the 1st day of March, 1986, when used in the final products) shall be allowed if duty has been paid on the inputs on or before the 31st day of January, 1986.

(3) Every manufacturer who, immediately before filing a declaration under rule 57G, had been availing of,—

- (a) the special procedure under rule 56A in respect of materials or component parts for use in the manufacture of finished excisable goods; or
- (b) an exemption for giving credit with respect to the duty paid on the materials or components parts used in the manufacture of finished excisable goods,

shall file a declaration under this sub-rule with the Assistant Collector of Central Excise having jurisdiction over his factory, stating that he intends to transfer credit of duty paid on the said materials or component parts received by such manufacturer and lying unutilised immediately before obtaining the dated acknowledgement of the declaration made under rule 57G in his account in R.G. 23 to his account in R.G. 23A :

Provided that the materials and component parts and the finished excisable goods have been  
2543 GI/93—2

specified as inputs and final products, respectively, in the notification issued under rule 57A.

(4) A manufacturer who has filed a declaration under sub-rule (1) or sub-rule (3), may, after obtaining the dated acknowledgement of afore-said, take credit of the duty paid on the inputs received by him :

Provided that no credit shall be taken unless the inputs were received in the factory under the cover of a Gate Pass, an A.R.I. a Bill of Entry or any other document as may be prescribed by the Central Board of Excise and Customs [constituted under the Central Boards of Revenue Act, 1963 (54 of 1963)] in this behalf evidencing the payment of duty on such inputs and such evidence is made available by the assessee to the department."

[F. No. 264/1/63-CX.8]

MEENAKASHI, Under Secy.

Explanation—This notification seeks to amend rule 57G to the effect that Modvat is not denied on inputs which are not included in the declaration but the Department is otherwise satisfied of its having been used in the factory and also amends rule 57H, to the effect that sub-rule (1) thereof has been deleted as it has outlived its purpose and rule 57(F) and rule 57 (H) to the effect that no prior permission of Assistant Collector is required for available of Modvat Credit procedures. Rule 57 (D) has been amended so that modvat credit is not disallowed on inputs which get destroyed or wasted in or in relation to manufacture of the final product. Rule 57(F) has been amended to permit Modvat credit of Special Excise Duty consequent to its abolition and merger with Basic Excise Duty with effect from the 28th day of February, 1993.

Foot Note—The principle rules were notified vide G.S.R. 463(E) dated 1-3-86 (Notification No. 176/86-C.E.) in Gazette of India Part II, Section 3, Sub-section (i) dated 1-3-86 and subsequently amended by the following notifications—

1. G.S.R. 498 (E) dated 14-3-86 (Notfn. No. 197/86)
2. G.S.R. 1019 (E) dated 22-8-86 (Notfn. No. 394/86)
3. G.S.R. 674 (E) dated 24-4-86 (Notfn. No. 280/86)
4. G.S.R. 403 (E) dated 15-4-87 (Notfn. No. 117/87)

- 
- |  |  |
|--|--|
| 5. G.S.R. 202 (E) dated 1-3-87 (Notfn. No. 25/87)  | 10. G.S.R. 781 (E) dated 17-9-90 (Notfn. No. 35/90)  |
| 6. G.S.R. 208 (E) dated 1-7-88 (Notfn. No. 19/88)  | 11. G.S.R. 1(E) dated 1-2-90 (Notfn. No. 1/90)       |
| 7. G.S.R. 217 (E) dated 6-10-88 (Notfn. No. 28/88) | 12. G.S.R. 579 (E) dated 18-6-90 (Notfn.) No. 24/90) |
| 8. G.S.R. 110 (E) dated 1-3-89 (Notfn. No. 12/89)  | 13. G.S.R. 247 (E) dated 26-4-91 (Notfn. No. 14/91)  |
| 9. G.S.R. 954(E) dated 3-11-89 (Notfn. No. 56/89)  | 14. G.S.R. 362 (E) dated 25-7-91 (Notfn. No. 28/91)  |
-